SarkariExam.com

02 अगस्त 2021

1. वाइस एडमिरल एस.एन. घोरमडे बने नौसेना के नए उप-प्रमुख

- 31 जुलाई, 2021 को वाइस एडमिरल एस.एन. घोरमडे (SN Ghormade) ने वाइस एडमिरल जी. अशोक कुमार के स्थान पर नौसेना स्टाफ के नए उप प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले घोरमडे एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय में एकीकृत रक्षा स्टाफ (संचालन और प्रशिक्षण) के उप प्रमुख थे।
- वाइस एडमिरल जी. अशोक कुमार 39 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। वाइस एडमिरल घोरमडे को 1 जनवरी, 1984 को नौसेना में नियुक्त किया गया था और वे नेविगेशन और दिशा विशेषज्ञ हैं। उन्हें वर्ष 2017 में राष्ट्रपति द्वारा अति विशिष्ट सेवा मेडल (Ati Vishisht Seva Medal) और वर्ष 2007 में नौसेना मेडल से सम्मानित किया गया था।

❑ भारतीय वायु सेना के उप-प्रमुख

- 03 जून, 2021 को एयर मार्शल विवेक राम चौधरी को वायु सेना मुख्यालय में अगले वायु सेना उपप्रमुख के रूप में नियुक्त किए जाने की घोषणा की है। एयर मार्शल विवेक राम चौधरी ने 30 जून, 2021 को अपना पदभार ग्रहण किया है।
- उन्होंने वर्तमान में वायुसेना उपप्रमुख एयर मार्शल एस.एच. अरोड़ा का स्थान लिया है। उन्होंने अगस्त, 2020 में भारतीय वायुसेना के वेस्टर्न एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के तौर पर पदभार संभाला था।

2. साइरस पूनावाला को मिलेगा लोकमान्य तिलक पुरस्कार-2021

- पुणे में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (Serum Institute of India) के संस्थापक, व्यवसायी साइरस पूनावाला को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय

SarkariExam.com

लोकमान्य तिलक पुरस्कार 2021 (National Lokmanya Tilak Award 2021) का विजेता नामित किया गया है।

- कोविड-19 महामारी के दौरान उनके काम के लिए उनकी सराहना की गयी है। उनकी कंपनी ने कोविशील्ड वैक्सीन बनाकर और फिर देश के नागरिकों को सस्ती कीमत पर दवा उपलब्ध कराकर कई लोगों की जान बचाने में मदद की है।

❑ **राष्ट्रीय लोकमान्य तिलक पुरस्कार**

- हालांकि पुरस्कार समारोह प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानी की पुण्यतिथि पर होता है, इस महामारी से प्रभावित वर्ष में यह पुरस्कार 13 अगस्त को निर्धारित किया गया है। पुरस्कार में विजेताओं के लिए 1,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह शामिल हैं।
- यह पुरस्कार पहली बार वर्ष 1983 में प्रदान किया गया था। इस पुरस्कार के विजेताओं में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह और अटल बिहारी वाजपेयी, इंफोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी शामिल हैं।

3. भारत ने ली अगस्त के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता

- भारत ने 01 अगस्त, 2021 को अगस्त महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की अध्यक्षता ग्रहण कर ली है। इस दौरान समुद्री सुरक्षा, शांति स्थापना और आतंकवाद विरोधी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।
- इसी के साथ पीएम मोदी UNSC की बैठक की अध्यक्षता करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। भारत के संयुक्त राष्ट्र के राजदूत टी. एस. तिरुमूर्ति ने सुरक्षा परिषद में अपने कार्यकाल के दौरान भारत को उसकी सहायता के लिए फ्रांस का आभार व्यक्त किया है।
- 02 अगस्त को पहले कार्यकाल के दिन तिरुमूर्ति परिषद के मासिक कार्यक्रम पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। कार्यक्रम के तहत तिरुमूर्ति संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राष्ट्रों को परिषद के काम पर एक ब्रीफिंग भी देंगे।
- 01 जनवरी 2021 को भारत ने सुरक्षा परिषद के एक अस्थायी सदस्य के रूप में दो साल का

कार्यकाल शुरू किया था। एक अस्थायी सदस्य के रूप में भारत पहली बार अध्यक्षता 2021-22 के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करने जा रहा है।

- अगले साल दिसंबर में भारत अपने दो साल के कार्यकाल के अंतिम महीने के लिए परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेगा। भारत अपनी अध्यक्षता के दौरान समुद्री सुरक्षा, शांति स्थापना और आतंकवाद विरोधी तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उच्च स्तरीय हस्ताक्षर कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा।

❑ **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद**

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (Nations Security Council) सहित संयुक्त राष्ट्र के अन्य छह मुख्य अंगों की स्थापना संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा की गई। UNSC की संरचना की व्यवस्था संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 23 में है। सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र का सबसे शक्तिशाली निकाय है जिसकी प्राथमिक ज़िम्मेदारी अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा कायम करना है।
- संयुक्त राष्ट्र के अन्य अंग सदस्य राज्यों के लिये सिफारिशें करते हैं, किंतु सुरक्षा परिषद के पास सदस्य देशों के लिये निर्णय लेने और बाध्यकारी प्रस्ताव जारी करने की शक्ति होती है।
- स्थायी और अस्थायी सदस्य: UNSC का गठन 15 सदस्यों (5 स्थायी और 10 गैर-स्थायी) द्वारा किया गया है।
- सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्राँस, रूस और चीन हैं। गौरतलब है कि इन स्थायी सदस्य देशों के अलावा 10 अन्य देशों को दो साल के लिये अस्थायी सदस्य के रूप में सुरक्षा परिषद में शामिल किया जाता है। दस गैर-स्थायी सीटों का वितरण क्षेत्रीय आधार पर किया जाता है: इसमें पाँच सदस्य एशियाई या अफ्रीकी देशों से, दो दक्षिण अमेरिकी देशों से, एक पूर्वी यूरोप से और दो पश्चिमी यूरोप या अन्य क्षेत्रों से चुने जाते हैं।
- भारत UNSC में एक स्थायी सीट की वकालत करता रहा है। भारत जनसंख्या, क्षेत्रीय आकार, जीडीपी, आर्थिक क्षमता, संपन्न विरासत और सांस्कृतिक विविधता तथा संयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों में विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में योगदान आदि सभी पैमानों पर खरा उतरता है।

4. इसरो-नासा का संयुक्त मिशन निसार उपग्रह 2023 में लॉन्च किया जाएगा

- इसरो-नासा संयुक्त मिशन निसार (NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar) उपग्रह, जिसका उद्देश्य उन्नत रडार छवियों का उपयोग करके विश्व स्तर पर पृथ्वी की सतह में परिवर्तन को मापना है, को वर्ष 2023 की शुरुआत में लॉन्च किया जाएगा। 'निसार' का

- पूरा अर्थ 'नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार उपग्रह' (NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar satellite) है। निसार इसरो और नासा के बीच एक संयुक्त पृथ्वी अवलोकन मिशन है, जिसका उपयोग ध्रुवीय क्रायोस्फीयर और हिंद महासागर क्षेत्र सहित पूरी पृथ्वी के वैश्विक अवलोकन के लिए किया जायेगा।
- यह एक डुअल-बैंड (L-बैंड और S-बैंड) रडार इमेजिंग मिशन है जिसमें भूमि, वनस्पति और क्रायोस्फीयर में छोटे बदलावों को देखने के लिए पोलरिमेट्रिक और इंटरफेरोमेट्रिक मोड हैं।
- निसार का विकास करना। नासा एल-बैंड SAR और संबंधित सिस्टम विकसित कर रहा है, जबकि इसरो एस-बैंड SAR , अंतरिक्ष यान बस, लॉन्च वाहन और संबंधित लॉन्च सेवाओं का विकास कर रहा है।
- इस मिशन का मुख्य वैज्ञानिक लक्ष्य ग्रह के बदलते पारिस्थितिक तंत्र, स्थलीय और तटीय प्रक्रियाओं, भूमि विरूपण (land deformation) और क्रायोस्फीयर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की समझ में सुधार करना है। निसार इसरो और नासा के बीच महत्वपूर्ण सहयोग परियोजनाओं में से एक है। वर्ष 2015 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की भारत यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका इस मिशन के लिए सहमत हुए थे।

जियो इमेजिंग उपग्रह 'ईओएस'-03

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा, वर्ष 2021 के अंत तक पृथ्वी का प्रेक्षण करने हेतु 'जियो इमेजिंग उपग्रह 'ईओएस'-03 (EOS-03) प्रक्षेपित किये जाने का कार्यक्रम है। EOS-03 एक 'भू-प्रेक्षण उपग्रह' (Earth Observation Satellite – EOS) है।
- पिछले वर्ष इसरो द्वारा 'EOS-01' भू-प्रेक्षण उपग्रह प्रक्षेपित किया गया था, जोकि 'रडार इमेजिंग सैटेलाइट' (Radar Imaging Satellite-RISAT) का एक प्रकार था और यह RISAT-2B और RISAT-2BR1 उपग्रहों के साथ कार्य करेगा।
- EOS-03 उपग्रह, बाढ़ एवं चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं की वास्तविक-समय निगरानी करने में सक्षम होगा। यह उपग्रह, पूरे देश का प्रतिदिन चार-पांच बार प्रेक्षण करने में सक्षम है।
- इसके साथ ही, EOS-03 उपग्रह, जल निकायों, फसलों, वनस्पतिक-स्थिति, वन आवरण परिवर्तन की निगरानी आदि करने में भी सक्षम होगा। रडार इमेजिंग में मौसम, बादल, कोहरे अथवा सौर-प्रकाश की कमी आदि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। यह सभी परिस्थितियों में और हर समय उच्च-गुणवत्ता वाले चित्र प्रदान कर सकता है।
- इसरो द्वारा लॉन्च किए गए अन्य भू-प्रेक्षण उपग्रह: RESOURCESAT- 2, 2A, CARTOSAT-1, 2, 2A, 2B, RISAT-1 and 2, OCEANSAT-2, मेघ-ट्रॉपिक्स (Megha-Tropiques), सरल (SARAL) और SCATSAT-1, INSAT-3DR, 3D आदि।

SarkariExam.com

5. मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया 'सामाजिक अधिकारिता शिविर'

- 31 जुलाई, 2021 को एक दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरणों और एड्स के वितरण के लिए 'सामाजिक अधिकारिता शिविर' का आयोजन किया गया। दिव्यांगजन अधिकारिता विभाग, जिला प्रशासन छिंदवाड़ा और ALIMCO के साथ मिलकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की एपिड योजना के तहत इस शिविर का आयोजन किया है।
- यह शिविर मध्य प्रदेश में स्थित छिंदवाड़ा में आयोजित किया गया। कोविड-19 महामारी के मद्देनज़र, 4146 दिव्यांगजनों को ब्लॉक/पंचायत स्तर पर 4.32 करोड़ रुपये के कुल 8,291 सहायक उपकरण और सहायक उपकरण मुफ्त में वितरित किए जाएंगे। इस उद्घाटन समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की आभासी उपस्थिति हुई थी। इस समारोह की मेजबानी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने किया है।

एपिड योजना

- सहायक यंत्रों/उपकरणों की खरीद/फिटिंग के लिये विकलांग व्यक्तियों को सहायता योजना- एपिड (Assistance to Disabled persons for purchasing/fitting of aids/appliances scheme- ADIP) की शुरुआत सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा की गई थी तथा इसे 1 अप्रैल, 2017 से लागू किया गया था।
- इस योजना का उद्देश्य विकलांगों के टिकाऊ, परिष्कृत और वैज्ञानिक रूप से निर्मित, आधुनिक, मानक सहायता और उपकरणों को खरीदने में ज़रूरतमंद दिव्यांगजनों की सहायता करना है।
- इससे दिव्यांगजनों की दिव्यांगता के प्रभाव को कम करने के साथ- साथ उनकी समाजिक और शारीरिक क्षमता को बढ़ाकर उनका आर्थिक विकास किया जा सकता है। इस योजना का कार्यान्वयन गैर-सरकारी संघटनों (NGOs), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय संस्थानों तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम- एलिम्को (ALIMCO) जैसी एजेंसियों के माध्यम से किया जाता है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार का एक मंत्रालय है। यह अन्य पिछड़े वर्गों (OBC), अनुसूचित जाति (SC), ट्रांसजेंडर और LGBTQ लोगों, विकलांगों, बुजुर्गों और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से पीड़ितों सहित सामाजिक रूप से वंचित और हाशिए के समूहों की भलाई, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के लिए जिम्मेदार है। डॉ. वीरेंद्र कुमार इस विभाग के वर्तमान मंत्री हैं।

SarkariExam.com

6. जयपुर स्थित आमागढ़ फोर्ट बना संघर्ष का केंद्र

- हाल ही में राजस्थान के जयपुर स्थित 'आमागढ़ फोर्ट' आदिवासी मीणा समुदाय और स्थानीय हिंदू समूहों के बीच संघर्ष का केंद्र बन गया है। मीणा समुदाय के सदस्यों का कहना है कि आमागढ़ किला जयपुर में राजपूत शासन से पहले एक मीणा शासक द्वारा बनाया गया था और सदियों से उनका पवित्र स्थल रहा है।
- उन्होंने हिंदू समूहों पर आदिवासी प्रतीकों को हिंदुत्व में शामिल करने की कोशिश करने और 'अंबा माता' का नाम बदलकर 'अंबिका भवानी' करने का आरोप लगाया है।

आमागढ़ फोर्ट

- आमागढ़ किले के वर्तमान स्वरूप का निर्माण 18वीं शताब्दी में जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा किया गया था। यह माना जाता रहा है कि जयसिंह द्वितीय द्वारा किले के निर्माण से पहले भी इस स्थान पर कुछ संरचनाएँ मौजूद थीं। दावे के मुताबिक, यह नदला गोत्र (जिसे अब बड़गोती मीणा के नाम से जाना जाता है) के एक मीणा सरदार द्वारा बनवाई गई थी।
- कछवाहा राजवंश के राजपूत शासन से पहले जयपुर और उसके आस-पास के क्षेत्रों में मीणा समुदाय का शासन एवं राजनीतिक नियंत्रण था। गौरतलब है कि मीणा समुदाय के सरदारों ने लगभग 1100 ईस्वी तक राजस्थान के बड़े हिस्से पर शासन किया।

महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय

- वह एक महान योद्धा और खगोलशास्त्री थे, जो अपने पिता महाराजा बिशन सिंह की मृत्यु के पश्चात् सत्ता में आए थे। वह मुगलों के सामंत थे, जिन्हें औरंगज़ेब ने 'सवाई' की उपाधि प्रदान की थी, जिसका अर्थ है एक-चौथाई, यह उपाधि 'जय सिंह' के सभी वंशजों को प्राप्त थी।
- उन्हें कला, विज्ञान, दर्शन और सैन्य मामलों में सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों एवं विद्वानों द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। जयसिंह मूलतः कछवाहा राजपूत वंश के थे, जो 12वीं शताब्दी में सत्ता में आए थे।
- उन्होंने दिल्ली, जयपुर, वाराणसी, उज्जैन और मथुरा में खगोल विज्ञान वेधशालाओं का निर्माण किया जिन्हें जंतर मंतर के नाम से जाना जाता है। जयपुर शहर को अपना नाम उन्हीं से प्राप्त हुआ है। हाल ही में 'जयपुर' शहर को यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

मीणा समुदाय

- मीणा, जिन्हें मेव या मेवाती के नाम से भी जाना जाता है, पश्चिमी और उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में रहने वाली एक जनजाति है। मीणा समुदाय ने वर्तमान पूर्वी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों पर शासन किया था, जिस क्षेत्र को इस समुदाय द्वारा 'मिंदेश' (मीणाओं का देश) भी कहा जाता है।
- बाद में उन्हें राजपूतों द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया, जिसमें कछवाहा राजपूत भी शामिल

हैं, जिन्होंने अंबर राज्य की स्थापना की, इसे बाद में जयपुर के नाम से जाना गया।

- राजस्थान में इस समुदाय का काफी प्रभाव है। अनुसूचित जनजाति (ST) के लिये आरक्षित 25 विधानसभा सीटों (कुल 200) में से अधिकांश का प्रतिनिधित्व मीणा विधायकों द्वारा किया जाता है। नौकरशाही में भी इस समुदाय का बेहतर प्रतिनिधित्व है। इसके आलावा वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य की जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की आबादी 13.48% है।
- साथ ही राज्य भर में बिखरी हुई आबादी के कारण यह समुदाय अनारक्षित सीटों पर भी चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकता है।

7. भारत और इंडोनेशिया के बीच गश्ती-कॉरपेट का किया गया आयोजन

- 30 से 31 जुलाई, 2021 तक भारत और इंडोनेशिया की नौसेनाओं के बीच समन्वित गश्ती-कॉरपेट (India-Indonesia Coordinated Patrol (India-Indonesia CORPAT) के 36वें संस्करण का आयोजन किया गया है। भारत और इंडोनेशिया समुद्री सहयोग को मज़बूत करने के लिये वर्ष 2002 से प्रतिवर्ष दो बार अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (International Maritime Boundary Line- IMBL) पर समन्वित गश्ती कर रहे हैं।
- भारतीय नौसेना का जहाज़ (INS) सरयू, एक स्वदेश निर्मित अपतटीय गश्ती पोत है, जो 36वें संस्करण में समुद्री गश्ती विमान के साथ हिंद-प्रशांत में दोनों देशों के बीच संबंधों को मज़बूत बनाने के लिये भाग ले रहा है।
- इसका उद्देश्य क्षेत्र में नौवहन और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित करना, कॉरपेट अभ्यास नौसेनाओं के बीच समझ और अंतरसंचालनीयता का निर्माण करने में मदद करते हैं साथ ही गैर कानूनी, बिना कोई लेखा-जोखा रखे एवं अनियमित ढंग से संचालित मछली पकड़ने, मादक पदार्थों की तस्करी करने, समुद्री आतंकवाद, सशस्त्र डकैती तथा समुद्री डकैती जैसी गतिविधियों को रोकने के लिये संस्थागत ढाँचे के निर्माण की सुविधा प्रदान करते हैं।

❑ भारत और थाईलैंड के बीच कोऑर्डिनेटेड पेट्रोल

- भारत और थाईलैंड के बीच कोऑर्डिनेटेड पेट्रोल (Coordinated Patrols या इंडो-थाई CORPAT) का 31वाँ संस्करण 09 जून, 2021 को शुरू हुआ था। भारतीय नौसेना और रॉयल थाई नेवी की यह साझा गश्ती 9-11 जून तक चला था। दोनों देशों के बीच समुद्री संपर्कों को मजबूत करने और हिंद महासागर के इस महत्त्वपूर्ण क्षेत्र को सुरक्षित रखने और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को मजबूत करने के लिए

दोनों नौसेना एक साल में दो बार CORPAT का आयोजन करती है।

- दोनों देशों के बीच अपनी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) के पास यह आयोजन वर्ष 2005 से ही जारी है। CORPAT अभ्यास दोनों नौसेनाओं के बीच समझ और अंतःक्रियाशीलता (interloper -ability) का निर्माण करता है।
- यह अवैध गैर-रिपोर्टेड अनियमित मछली पकड़ने, समुद्री आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, सशस्त्र डकैती और समुद्री डकैती जैसी गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने के उपायों की सुविधा प्रदान करता है। यह तस्करी, अवैध अप्रवास को रोकने और समुद्र में खोज व बचाव ऑपरेशन के लिए सूचनाओं का आदान-प्रदान करके तालमेल बढ़ाने में भी मदद करता है।

❑ **SAGAR मिशन**

- भारत सरकार के 'सागर' (Security And Growth for All in the Region-SAGAR) दृष्टिकोण के अंतर्गत, भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ समन्वित गश्त, विशेष आर्थिक क्षेत्र (Exclusive Economic Zone- EEZ) निगरानी में सहयोग, मार्ग अभ्यास (Passage Exercises) और द्विपक्षीय/बहुपक्षीय अभ्यासों के लिये सक्रिय रूप से संलग्न है। इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को मज़बूत करना है।

❑ **इंडोनेशिया के साथ अन्य सैन्य अभ्यास**

1. समुद्र शक्ति: एक द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास।
2. गरुड़ शक्ति: एक संयुक्त सैन्य अभ्यास।

8. ग्राफिक कलाकार आनंद राधाकृष्णन ने जीता प्रतिष्ठित आइजनर पुरस्कार

- हाल ही में ग्राफिक कलाकार आनंद राधाकृष्णन ने प्रतिष्ठित विल आइजनर कॉमिक इंडस्ट्री अवार्ड (Will Eisner Comic Industry Award) जीता है, जिसे कॉमिक्स की दुनिया में ऑस्कर के बराबर माना जाता है। आइजनर पुरस्कार प्रतिवर्ष दिए जाते हैं और राधाकृष्णन द्वारा जीता गया पुरस्कार "सर्वश्रेष्ठ चित्रकार / मल्टीमीडिया कलाकार (आंतरिक कला) (Best Painter/Multimedia Artist (interior art))" एक ग्राफिक नॉवल की कला और छवियों के निर्माता को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है।
- राधाकृष्णन ने यूके के कलरीस्ट जॉन पियर्सन (John Pearson) के साथ पुरस्कार साझा किया। उन्होंने यूके स्थित लेखक राम वी (Ram V) के 145-पृष्ठ ग्राफिक नॉवल ब्लू इन ग्रीन (Blue In Green) पर अपने काम के लिए यह पुरस्कार जीता, जिसे इमेज कॉमिक्स द्वारा अक्टूबर 2020 में प्रकाशित किया गया था।

❑ **विल आइजनर कॉमिक इंडस्ट्री पुरस्कार**

- वर्ष 1987 में कॉमिक्स के लिए लोकप्रिय किर्बी अवार्ड्स (Kirby Awards) के बंद होने के बाद, अमेरिकी कॉमिक्स संपादक डेव ओलब्रिच (Dave Olbrich) द्वारा 1988 में आइजनर अवार्ड्स की स्थापना की गई थी। आइजनर्स का नाम प्रसिद्ध लेखक और कलाकार विल आइजनर (Will Eisner) के सम्मान में रखा गया है। पुरस्कारों की घोषणा हर साल सैन डिएगो कॉमिक-कॉन (San Diego Comic-Con) में की जाती है।

9. संस्कृति राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने G20 संस्कृति मंत्रियों की बैठक में लिया भाग

- 29 और 30 जुलाई को रोम में पहली G-20 संस्कृति मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई थी, इस बैठक की अध्यक्षता इटली ने की। दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के संस्कृति मंत्रियों और 40 उच्च स्तरीय सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडलों ने इस बैठक में भाग लिया।
- भारत की तरफ से संस्कृति राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने 30 जुलाई, 2021 को G-20 संस्कृति मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। इस बैठक में इतालवी प्रधानमंत्री, मारियो ड्रैगी, संस्कृति मंत्री, डारियो फ्रांसेचिनी और यूनेस्को के महानिदेशक, ऑड्रे अज़ोले ने भाग लिया। OECD, यूनेस्को, भूमध्यसागरीय संघ, यूरोपियन परिषद, ICOM, ICCROM और ICOMOS, इंटरपोल, UNODC, और विश्व सीमा शुल्क संगठन (WCO) ने इन बैठकों में भाग लिया। इटली ने पिछले साल दिसंबर में G20 2021 की घूर्णन अध्यक्षता ग्रहण की और 30 और 31 अक्टूबर को रोम में G20 लीडर्स समिट की मेजबानी करेगा।

❑ **रोम में चर्चा के लिए प्रमुख विषय**

1. सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्र को संतुलित विकास के इंजन के रूप में संरक्षित और बढ़ावा देना जो टिकाऊ भी है।
2. प्राकृतिक आपदाओं, पर्यावरणीय गिरावट और जलवायु परिवर्तन, तोड़फोड़ और लूटपाट, और सांस्कृतिक संपत्ति में अवैध तस्करी सहित जोखिमों से सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना।
3. सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में डिजिटल और तकनीकी परिवर्तन को बढ़ावा देना।

- समकालीन दुनिया की जटिलता और सांस्कृतिक क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता का विकास करना।

4. संस्कृति के माध्यम से जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त वक्तव्य।

❑ **G-20**

- G-20 समूह विश्व बैंक एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का प्रतिनिधि, यूरोपियन संघ एवं 19 देशों का एक अनौपचारिक समूह है। G-20 समूह विश्व

की प्रमुख उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों को एक साथ लाता है। यह वैश्विक व्यापार का 75%, वैश्विक निवेश का 85%, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 85% तथा विश्व की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है

- G-20 के सदस्य देशों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्राँस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। इसका कोई स्थायी सचिवालय या मुख्यालय नहीं है।

10. पी.वी. सिंधु ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

- भारतीय शटलर पी.वी. सिंधु ने टोक्यो ओलंपिक (Tokyo Olympics) में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। वह ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। सिंधु ने 01 अगस्त, 2021 को चीन की हे बिंग जियाओ को ब्रॉन्ज मेडल मैच में सीधे गेमों मे 21-13, 21-15 से मात दी। ओवरऑल सुशील कुमार के बाद वे भारत की दूसरी एथलीट हैं।
- सिंधु ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में चीन की जियाओ बिंग हे को केवल 52 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया। सिंधु ने इससे पहले 2016 रियो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीता था। सुशील ने वर्ष 2008 बीजिंग ओलिंपिक में ब्रॉन्ज और वर्ष 2012 लंदन ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीता था।
- पीवी सिंधु ने बीते कुछ सालों में बैडमिंटन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना ली है। वे पूरी दुनिया में एक स्टार बैडमिंटन प्लेयर के तौर पर जानी जाती हैं। उन्होंने अपने गेम से सभी को प्रभावित किया है और कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। उन्हें राजीव गांधी खेल रत्न (2016) और अर्जुन पुरस्कार (2013) से नवाजा जा चुका है। उन्हें पद्मश्री (2015) और पद्म भूषण सम्मान (2020) भी मिल चुका है।

ओवरऑल ओलिंपिक बैडमिंटन में भारत को तीसरा मेडल

- साइना नेहवाल- ब्रॉन्ज मेडल: लंदन ओलिंपिक (2012)
- पीवी सिंधु- सिल्वर मेडल: रियो ओलिंपिक (2016)
- पीवी सिंधु- ब्रॉन्ज मेडल: टोक्यो ओलिंपिक (2020)

सिंधु को सेमीफाइनल मैच में हार मिली

- सिंधु को सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 चीनी ताइपे की ताइजु यिंग के खिलाफ 21-18, 21-

13 से हार का सामना करना पड़ा था। यह मैच हारकर वह गोल्ड और सिल्वर के रेस से बाहर हो गईं थीं।

- **टोक्यो ओलिंपिक में भारत को अब तक 3 मेडल**

- टोक्यो ओलंपिक में भारत का यह तीसरा मेडल है। सबसे पहले मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग के 49 किलो वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता था। वहीं बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने 69 किलो वेल्टरवेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के लिए मेडल पक्का कर चुकी हैं।

- **ऑस्ट्रेलिया की महिला स्वीमर ने किया करिश्मा, 7 मेडल जीतकर रचा इतिहास**

- ऑस्ट्रेलिया की महिला तैराक एम्मा मैककॉन (Emma McKeon) ने टोक्यो ओलिंपिक में धमाल कर दिया है। वो एक ही ओलिंपिक में सात मेडल जीतने वाली दुनिया की पहली तैराक बन गई हैं। एम्मा ने टोक्यो ओलंपिक में 7 मेडल अपने नाम कर लिए हैं। टोक्यो ओलिंपिक में ऑस्ट्रेलिया की महिला तैराक टीम ने जैसे ही गोल्ड मेडल जीता वैसे ही एम्मा के नाम यह रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इस ओलंपिक में एम्मा ने 4 गोल्ड मेडल सहित कुल 7 मेडल अपने नाम किए हैं। एम्मा मैककॉन सिंग्लस गेम में एक ही ओलंपिक में सात पदक जीतने वाली दुनिया की पहली महिला तैराक बनने का कारनामा कर दिखाया है।
- बता दें पुरूष तैराक के नाम ऐसा कमाल करने का रिकॉर्ड है लेकिन महिला में यह कारनामा पहली बार हुआ है। पुरूष तैराक माइकल फेल्प्स, मार्क स्पिट्ज और मैट बियोन्डी ने एक ही ओलंपिक खेलों में 7 मेडल जीते हैं। अमेरिका के माइकल फेल्प्स ने एक ही ओलंपिक में 7 गोल्ड मेडल जीतने का अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम बनाया हुआ है।
- वहीं, एम्मा दुनिया की दूसरी महिला एथलीट हैं जिन्होंने एक ही ओलंपिक में 7 मेडल जीते हैं। इससे पहले ऐसा कारनामा साल 1952 के ओलंपिक में हुआ था जब रूस की जिमनास्ट मारिया गोरोखोव्स्काया ने एक ही ओलंपिक में 7 मेडल जीतने में सफल रहीं थी।